करना है विश्व परिवर्तन तो अपनी वृत्ति एक बनाओ
ज्ञान स्वरूप बनकर एक दूजे से अपनी रास मिलाओ
वायुमंडल परिवर्तन के लिए दो अपना श्रेष्ठ योगदान
मिलकर दो सारे विश्व को शांति की किरणों का दान
सारा भूमंडल हो गया है विकारों की अग्नि से अशांत
एक समान वृत्ति से करो विकारों की अग्नि को शांत
विहंग मार्ग की सेवा करो बनाकर अपना आत्मिक रूप
एक साथ मिलकर चारों और फैलाओ सर्व गुणों की धूप
अपने दिव्य गुणों की खुशबू देकर सबको होश में लाओ
हम हैं सतयुगी श्रेष्ठ आत्माएँ सबको ये एहसास कराओ
विश्व परिवर्तन करना है तो दृढ़ संकल्प की आहुति डालो
पुराने स्वभाव संस्कार चलन को इस यज्ञ में जला डालो
अपने हृदय में जलाकर चलना विश्व परिवर्तन की मशाल
ये मशाल बुझे नहीं माया के तूफ़ान हो कितने भी विशाल
माया चाहे शेर बने या सामने आए धरकर रूप विकराल
निर्भय होकर खड़े हैं हम लेकर श्रीमत रूपी चट्टानी ढाल
हम ही हैं वो शिव शक्तियां करती हैं हम शेर की सवारी
संग है हमारे शिव बाबा हार खाएगी हमसे माया बेचारी
छोड़कर टोकरी पहना विश्व सेवा की जिम्मेदारी का ताज
विश्व सेवा करके हम ही करेंगे भविष्य में विश्व पर राज
हम हैं ब्रह्माकुमार और कुमारी रहते हैं सदा ही योगयुक्त
जोड़कर एक शिव से रिश्ता सर्व बन्धनों से हो गये मुक्त
तन मन से स्वतंत्र होकर बढ़ाई हमने परिवर्तन की गति

सम्पूर्ण परिवर्तन से ही होगी सतयुग में हमारी सद्गति
स्व परिवर्तन की भावना से हम व्यर्थ से मरते जा रहे
मरजीवा बनते बनते हम दिव्य गुणों से निखरते जा रहे
ॐ शांति